

देवलाङ्गुलिका (देव + लाङ्गुल) f. N. einer Staude (s. वृश्चिकालि) RĀ-  
ĠAN. im ÇKDr.

देवलाति (देव + ला) gāṇa दासीभारादि zu P. 6, 2, 42.

देवलिङ्ग (देव + लि) n. Götterbild, Götterstatue: व्यहृद्देवलिङ्गानि  
Bhāg. P. 3, 17, 13.

देवलेखा (देव + ले) f. N. pr. einer Fürstin RĀĠA-TAR. 8, 14, 45.

देवलोका (देव + लोक) m. die oder eine Götterwelt TRĪK. 1, 1, 4. H. 87,  
Sch. VS. 29, 10. 30, 12. TBR. 1, 6, 3, 7. ÇAT. BR. 1, 8, 3, 11. 3, 7, 1, 25 u. s. w.  
AIT. Ba. 2, 17. 4, 9. M. 4, 182. INDR. 1, 14. R. 1, 2, 4. 42, 21. 48, 4. 57, 19.  
60, 3. 2, 31, 5. देवलोके गतः zur Götterwelt gegangen, gestorben MBh. 13,  
2994. भूर्लोका ऽथ भुवर्लोकाः स्वर्लोकाः ऽथ मर्हर्जनः । तपः सत्यं च सप्तैते  
देवलोकाः प्रकीर्तिताः ॥ MATSJA-P. im ÇKDr. Bei den Buddhisten,  
KÖPPEN I, 233. 280. fgg. 260.

देववक्त्रा (देव + व) n. der Mund der Götter, Bein. Agni's ÇADBAĠ.  
im ÇKDr.

देववत् (von देव) adv. = देवकर्मवत् KĀTJ. ÇA. 5, 10, 16. 26, 4, 3.

देववर्ध (देव + वर्ध) m. Götterwaffe AV. 6, 13, 1.

देववत् (von देव) 1) adj. Götter bei sich —, um sich habend: देववतो  
रयः RV. 8, 31, 15. mit Dehnung: सोमं भरद्वाद्दृष्ट्वा देवान् (श्येनः) 4,  
26, 6. — 2) m. N. pr. des Grossvaters des Sudās (nach ŚĪJ.): द्वे नमुरे-  
ववतः शते गोर्द्धा रथौ वधूमन्ता सुदासः RV. 7, 18, 22. eines Sohnes des  
Akrūra VP. 435. Bhāg. P. 9, 24, 17. des Devaka (eines Sohnes des  
Āhuka) 21. HARIV. 2023. VP. 436. des 12ten Manu (vgl. देववायु) Bhāg.  
P. 8, 13, 28.

देववर्ध (देव + वर्ध) adj. die Götter preisend: घ्रायै याहि सृक्षं देव-  
वर्धैः पौः पूर्वैः पितृभिर्धर्मसद्भिः RV. 10, 13, 10.

देववर्त्मन् (देव + वर्त्) n. der Pfad der Götter, der Luftraum H. 163, Sch.

देववर्धकि (देव + वर्ध) m. der Baumeister der Götter, Bein. Viçva-  
karma's H. 182.

देववर्धन (देव + वर्ध) m. N. pr. eines Sohnes des Devaka Bhāg. P. 9,  
24, 21. देववर्धन HARIV. und VP.

देववर्मन् (देव + वर्म) n. Götterrüstung AIT. Ba. 1, 16.

देववर्ष (देव + वर्ष) N. pr. eines Varsha im Dvīpa ÇĀlmala Bhāg.  
P. 5, 20, 9.

देववल्गव (देव + वर्ग) m. N. eines Baumes, *Rottlera tinctoria* Roxb.,  
AK. 2, 4, 2, 6.

देववात (देव + वात) 1) adj. den Göttern angenehm: सं ते शस्तिर्देववा-  
ता जरेत RV. 4, 3, 15. (नरः) उक्थ्या शंसन्तो देववाततमाः 6, 29, 4. प्रुधमन्धो  
देववातम् 9, 62, 5. vom Soma 96, 9. — 2) m. N. pr. eines Bhārata  
RV. 3, 23, 2. Ind. St. 3, 219. Vgl. देववात.

देववायु (देव + वायु) m. N. pr. eines Sohnes des 12ten Manu HARIV.  
484. देववत् Bhāg. P.

देववाहन (देव + वा) adj. Götter führend: अश्व RV. 3, 27, 14.

देववैद् (देव + विद्) adj. die Götter kennend ÇAT. Ba. 14, 6, 3, 4.

देवविद्या (देव + वि) f. Götterlehre KHĀND. UP. 7, 1, 2, 4. Nach ÇĀṆK.  
= निरुक्त.

देवविभाग (देव + वि) m. der Theil der Götter, die nördliche Hemi-  
sphäre SŪRJAS. 12, 61. — Vgl. देवभाग.

देवर्विष् (देव + वि) f. Göttervolk ÇAT. Ba. 2, 5, 1, 12. AIT. Ba. 1, 9, 3,  
12. ÇĀṆK. Ba. 7, 8.

देवविशा (देव + वि) f. dass. gāṇa अज्ञादि zu P. 4, 1, 4. KĀTJ. 11, 6,  
21, 10. 23, 8.

देववी (देव + वी) adj. den Göttern mündend: स वक्रिः सोम जगृविः  
पवस्व देववीरति RV. 9, 36, 2. Sonst superl.: मद्देवो देववीतमः 63, 16,  
23, 3. 28, 3. 49, 3. 107, 7.

देववीति (देव + वी) 1) Schmaus —, Mahl —, Genuss für die Göt-  
ter: पवस्व सोम देववीतये वर्षा RV. 9, 70, 9. सुगं नो अस्थि देववीतये कृ-  
धि 2, 23, 7. अथा नो धा अघरं देववीति 3, 17, 5. 6, 16, 7. पुत्रो रथो अघरं  
देववीतये प्रति स्वसामुप याति पीतये 68, 10. 10, 6, 3. साधोमर्कदेववीति  
नो अय्य 33, 3. सुमङ्गलीविध्वंती देववीतिमिहृग्योषा व्युच्छ 1, 113, 12. VS.  
1, 15. 22, 13. 37, 18. — 2) N. pr. einer der 9 Töchter Meru's und Ge-  
mahlin eines der 9 Söhne Āgnidhra's Bhāg. P. 5, 2, 22.

देववृत् (देव + वृत्) m. der Baum der Götter: 1) allg. N. für den Man-  
dāra und andere fabelhafte Bäume in Indra's Himmel H. an. 4, 317.  
MED. sh. 51. — 2) *Alstonia scholaris* R. Br. TRĪK. 2, 4, 7. H. an. MED.  
— 3) *Bdellion* (गुग्गुलु) H. an. MED.

देववृति (देव + वृत्) m. der Commentar des Deva (Purushottama-  
deva) zu den Uṇādisūtra Uśāval. zu Uṇādis. 3, 98. 101. 117. 140. 5, 61.

देवव्यचस् (देव + व्य) adj. Raum für die Götter darbietend, Götter  
aufnehmend: (वर्हिः) वृञ्जे देवव्यचस्तमामिन्द्राय शर्म सप्रथः RV. 1, 142,  
5. स्तुणीमहि देवव्यचा (Padap.: व्यचाः) वि वर्हिः 3, 4, 4. प्र यत् देवा-  
नुषग्या देवव्यचस्तमः । स्तुणीत वर्हिर्मासै 5, 26, 8. 21, 2.

1. देवव्रत (देव + व्रत) n. 1) religiöse Observanz ÇAT. Ba. 10, 3, 3, 10.  
LĀTJ. 9, 2, 17. — 2) Lieblingsspeise der Götter: देवव्रतं वै घृतं देवव्रते-  
नैव देवता ग्रध्येति PĀNĀV. Ba. 18, 2.

2. देवव्रत (wie eben) adj. den Göttern ergeben, fromm; m. Bein.  
Bhishma's TRĪK. 2, 8, 12. MBh. 1, 3800. 6, 1948. 1970. 1973. 4938. 7, 2.  
HARIV. 1824. Bhāg. P. 1, 9, 1. 2, 7, 44. Kārttikeya's MĀRĪK. 47, 21.

देवव्रतिन् (von 1. देवव्रत) adj. das göttliche Gebot befolgend, den Göt-  
tern dienend P. 5, 1, 94. VĀrtt. 3. देवव्रती स्याद्दृष्टप्रदाने वेदावाप्तिर्गो-  
पुगस्य प्रदाने MBh. 13, 3534.

देवशक्ति (देव + शक्) m. N. pr. eines Königs PĀNĀT. 183, 20.

1. देवशत्रु (देव + शत्रु) m. ein Feind der Götter, ein Asura MBh. 7,  
6296. SŪCR. 2, 332, 10. ein Rakshas R. 6, 36, 83.

2. देवशत्रु (wie eben) adj. die Götter zu Feinden habend: कृतासौ वी  
पितरौ देवशत्रवः RV. 6, 39, 1.

देवशर्मन् (देव + शर्म) m. N. pr. verschiedener Personen: eines alten  
Weisen MBh. 1, 2049. 13, 2262. fgg. 7672. VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H.  
54, b, 38. SKANDA-P. ebend. 73, b, 9. eines buddh. Autors BURN. Intr. 448  
(hier fälschlich ०सर्मन्). HIOUN-THSANG I, 291. eines Ministers des Ġa-  
jāpīda, Königs von Kāçmīra, RĀĠA-TAR. 4, 468. 550. — KATHĀS. 10, 9.  
ÇUK. 40, 18. PĀNĀT. 32, 23. 238, 5. LĪA. II, 802, N. 1. — Vgl. देवशर्म.

देवशस् (von देव) adv. nach den einzelnen Göttern: प्रति तान्देवशो वि-  
हि RV. 3, 21, 5.

देवशिल्प s. u. शिल्प.

देवशिल्पिन् (देव + शिल्प) m. der Künstler der Götter, von Tvashṭar